ECL ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो० – डिसरगढ़, जिला : पश्चिम बर्द्धमान

5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY

श्रमिक दिवस - 2025
के अवसर पर
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का
संदेश

मेरे प्यारे साथियों,

सर्वत्र सम्पूर्ण मानवीय विकास में ऊर्जा की प्रधानता सर्वविदित है और उस ऊर्जा के स्रोत के उत्खनन के लिए ईसीएल परिवार सदैव समर्पित है। श्रमिकों के समर्पित श्रम के बल पर वित्तीय वर्ष 2024–25 बहुआयामी कीर्तिमान एवं मील के पत्थर समान उपलब्धियों का वर्ष बना है। अपने स्थापना काल से अबतक की यात्रा में ईसीएल के हमारे प्यारे श्रमिकों ने अपने श्रम–बल से ईसीएल को गौरवान्वित किया है। आज श्रमिक दिवस के इस शुभ अवसर पर इन महान उपलब्धियों का श्रेय आप सभी श्रमिक बंधुओं एवं कामगारों को समर्पित करता हूँ और श्रमिक दिवस की ढ़ेरों शुभकामनाएँ देता हूँ तथा आपकी एवं आपके परिजनों की आर्थिक व स्वास्थ्य समृद्धि से उद्‌भूत सुख–शान्ति की कामना करता हूँ।

मुझे अत्यंत हर्ष के साथ यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024–25 में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। यह वर्ष हमारे लिए उल्लेखनीय प्रगति, उत्कृष्ट प्रदर्शन और नई ऊंचाइयों को छूने वाला रहा। ईसीएल की ऐतिहासिक उपलब्धि 52.035 मिलियन टन कोयला उत्पादन, जो कंपनी की स्थापना से लेकर अब तक का सर्वोच्च स्तर रहा है।

यह 2019–20 में निर्धारती 50.40 मिलियन टन के पिछले रिकार्ड को तोड़ते हुए 9.41% की असाधारण वृद्धि दर्शाता है। इस शानदार उपलब्धि ने ईसीएल को कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों में उत्पादन वृद्धि के मामले में अग्रणी स्थान दिलाया है, जो टीमवर्क, समर्पण और उत्कृष्टता की पराकाष्ठा को दर्शाता है।

इसके अलावा ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने कोयला उठाव में 13.76% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो इसे कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों में शीर्ष स्थान पर स्थापित करता है। इस उल्लेखनीय उत्पादन सफलता के साथ, ओवरबर्डन

(ओबी) हटाने में भी ईसीएल ने नया रिकॉर्ड बनाया, जहाँ 188.94 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी का निष्कासन किया गया। जो वर्ष 2023–24 के 170.90 मिलियन क्यूबिक मीटर के पिछले उच्च स्तर को पार कर गया।

यह 10.56% की वृद्धि दर्शाता है, जिससे ईसीएल ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों में तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि न केवल उत्पादन क्षमता को दर्शाती है, बल्कि कंपनी की दक्षता, रणनीतिक प्रबंधन और सतत विकास की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

इन व्यापक उपलब्धियों के अलावा, ईसीएल ने कई अन्य उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल किए, जिसमें :–

- 28 मार्च, 2025 को 2.88 लाख टन का एक दिवसीय कोयला उत्पादन का चरम शामिल है, जो 31 मार्च, 2024 को 2.80 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया।

- 6 मार्च 2025 को 7.08 लाख क्यूबिक मीटर का रिकॉर्ड एक–दिवसीय ओवरबर्डन हटाव किया जिसने 29 फरवरी, 2024 को हासिल किए गए 6.81 लाख क्यूबिक मीटर के पिछले रिकॉर्ड को पार किया है।

- इसके अतिरिक्त, ईसीएल ने 31 मार्च, 2025 को एक ही दिन में 68 रेक की अपनी अब तक की सर्वाधिक रेलवे रेक लोडिंग हासिल की, जिसने 31 मार्च, 2024 को 65 रेक की पिछली उच्च लोडिंग के रिकार्ड को तोड़ दिया।

ईसीएल को मार्च, 2025 में नई दिल्ली में आयोजित एक शानदार समारोह में भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस में प्रथम पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार ईसीएल में सुशासन की भावना की पुष्टि करता है।

ईसीएल ने अपने परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास प्रदूषण को नियंत्रित करने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रदूषण शमन उपाय किए हैं। उल्लेखनीय रूप से,

- 13 हेक्टेयर में फैले झांझरा इको–टूरिज्म पार्क का विकास पूरा हो गया है, जो पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाला एक मनोरंजक और शैक्षिक स्थान प्रदान करता है।

- जैव विविधता संरक्षण पर और अधिक जोर देते हुए, ईसीएल रानीगंज कोलफील्ड्स के लिए 38 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक वन्यजीव संरक्षण योजना को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है, जो पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अनुमोदित परियोजना है।

- टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन सिद्धांतों को अपनाते हुए, ईसीएल ने "वेस्ट टू बेस्ट" पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए, सतग्राम–श्रीपुर क्षेत्र में एक और नवीन प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई स्थापित की है, जो प्लास्टिक कचरे को मूल्यवान पेवर ब्लॉकों में परिवर्तित कर रही है।

- एक व्यापक और पारदर्शी वायु गुणवत्ता निगरानी सुनिश्चित करने वाले नौ नए सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (CAAQMS) स्थापित किए गए हैं, जो ईसीएल के भीतर सभी क्षेत्रों और क्लस्टरों को रियल टाइम वायु प्रदूषण निगरानी क्षमताओं और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दोनों से सीधे संपर्क से लैस करते हैं।

- इसके अलावा, ईसीएल ने अपने हरित आवरण को अतिरिक्त 77 हेक्टेयर तक बढ़ाया

है, जिससे कुल हरित आवरण 3388 हेक्टेयर हो गया है, जो वनीकरण और कार्बन पृथक्करण के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, हाल की पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक सहभागिता दोनों के प्रति मजबूत दृढ़ संकल्प की दिशा में और स्वच्छता ही सेवा (SHS) अभियान के हिस्से के रूप में, कुनुस्तोड़िया में एक मेगा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसने स्थानीय वनीकरण प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि विश्व पर्यटन दिवस पर मैथन में एक व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया, जिससे क्षेत्र में जिम्मेदार पर्यटन और पर्यावरण चेतना को बढ़ावा मिला।

ईसीएल ने स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, शिक्षा और वंचित आबादी के लिए नैदानिक सेवाओं तक पहुँच को शामिल करते हुए बहुमुखी दृष्टिकोण के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

- स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, ईसीएल मोबाइल मेडिकल वैन संचालित करता है, जो ग्रामीणों के घर के दरवाजे तक सीधे मुफ्त प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाती है। यह पहल डॉक्टर के परामर्श, दवा, रोग संबंधी परीक्षण और महत्वपूर्ण रोग जागरूकता कार्यक्रमों सहित आवश्यक देखभाल प्रदान करती है। पिछले पांच वर्षों में, इन मोबाइल वैनों ने लगभग 4.50 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पश्चिम बंगाल और झारखंड के 250 से अधिक गांवों में लगभग 1,25,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान की है।

- इसके अलावा, ईसीएल ने 51 लाख रुपये की लागत से आसनसोल के रामकृष्ण मिशन आश्रम में मां शारदा दातब्य चिकित्सालय और डायग्नोस्टिक सेंटर का निर्माण किया। पावर बैकअप सुविधा से लैस यह दो मंजिला इमारत केंद्र आस–पास के क्षेत्रों में गरीब व्यक्तियों को सब्सिडी वाली डायग्नोस्टिक और उपचार सेवाएं प्रदान करता है, जिससे आवश्यक स्वास्थ्य सेवा की लोगों तक पहुंच में सुधार हुआ है।

- कौशल विकास के महत्व को समझते हुए ईसीएल ने झारखंड सरकार से गोड्डा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सिकटिया को 30 साल की अवधि के लिए गोद लिया और शुरुआती 10 वर्षों (2028 तक) के लिए 15 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह आईटीआई पांच प्रमुख ट्रेडों– इलेक्ट्रिकल, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डीजल मैकेनिक और वेल्डर में प्रशिक्षण प्रदान करता है और इसने परियोजना प्रभावित समुदायों के 650 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई है।

- शिक्षा को आधुनिक बनाने के लिए ईसीएल ने झारखंड के दुमका और गोड्डा जिलों के 63 सरकारी उच्च विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं और आईसीटी लैब स्थापित करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा फंडेड 8.52 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इन तकनीकी संवर्द्धन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षण वातावरण बनाना है, जो छात्रों के समग्र विकास में योगदान दे।

ईसीएल ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में सामग्री प्रबंधन के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन किया, जो प्रमुख खरीद लक्ष्यों को पार कर गया। उल्लेखनीय रूप से,

- GeM खरीद ₹350.00 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले ₹510.56 करोड़ तक पहुंच गई, जबकि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (MSE) से 25% के लक्ष्य के मुकाबले 65.33% की उल्लेखनीय खरीद भी हासिल की।

• इसके अलावा, महिला–एमएसई से कुल खरीद का प्रतिशत 8.54% रहा, जो 3% के लक्ष्य से अधिक था।

• सुरक्षा प्राथमिकताओं के अनुरूप, सुरक्षा और बचाव वस्तुओं की खरीद ₹52.03 करोड़ तक पहुंच गई, जो ₹39.01 करोड़ के लक्ष्य से अधिक रही।

• ईसीएल ने ''मेक इन इंडिया'' पहल को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हुए, मल्टी–यूटिलिटी व्हीकल्स (एमयूवी) और फ्री स्टियर्ड व्हीकल्स (एफएसवी) के लिए स्वदेशी निर्माताओं को ट्रायल टेंडर के माध्यम से सफलतापूर्वक निविदाएं प्रदान कीं, जिन्हें पहले विदेशी संस्थाओं से प्राप्त किया जाता था।

कर्मचारियों के लिए की गई पहलों में –

• ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024–25 में रिकॉर्ड 2,798 वेज बोर्ड कर्मचारियों को पदोन्नत किया है, जो पिछले 05 वर्षों में सबसे अधिक है, जो कर्मचारीयों के लिए विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

• इसके अलावा, ईसीएल ने कर्मचारियों के संबंध में ऑनलाइन प्रदर्शन रिपोर्ट लागू की है, जिससे कंपनी में पदोन्नति की कार्यवाही अब और अधिक तेजी से हो सकेगी।

• वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, ईसीएल ने कोल इंडिया लिमिटेड की पुनर्वास और पुनर्स्थापन (R&R) नीति के तहत 236 लाभार्थियों को रोजगार भी प्रदान किया है और ईसीएल के दिवंगत कर्मचारियों के 1,041 आश्रितों को रोजगार प्रदान किया है जहां यह दोनों ही उपलब्धियां पिछले पाँच वर्षों के आकड़ों के मुकाबले सबसे अधिक रही हैं।

ईसीएल ने देश के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आज श्रमिक दिवस के अवसर पर, ईसीएल द्वारा अबतक अर्जित की गई कामयाबी में पूर्ण सहयोग के लिए और समरूप से अधिकतम भविष्यत् सहयोग की प्रत्याशा के साथ मैं, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखण्ड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सीआईएसएफ, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ–साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, शुभचिंतकों तथा शताक्षी महिला मण्डल के प्रति आभार प्रकट करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा कंपनी के सभी ऊर्जस्वित कर्मशक्ति संपन्न श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ–साथ परियोजना प्रभावित ग्रामीण जनों का आह्वान करता हूँ कि अपने–अपने कर्तव्य बोध के साथ आगे आकर स्वर्णिम राष्ट्र के निर्माण में अपनी एवं ईसीएल की महती भूमिका को सिद्ध करें। आपकी सेवा, समर्पण और संकल्प से सार्थक होगी हमारी मेहनत व सशक्त व समृद्ध होगा भारत देश अपना।

श्रमेव जयते ! जय हिंद !

01.05.2025

कर्तव्यपरायण,

(सतीश झा)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित